अनुक्रमणिका

क्र. स.	विषय-वस्तु	लेखक	पृष्ठ संख्या
1	आधुनिक भारत के विकास में ऊर्जा के संसाधनों की भूमिका	डॉ. जे. डी. सिंह	01
2	उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्म-सम्मान का तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. सतीश चन्द मंगल धर्मेन्द्र कुमार शर्मा	08
3	अध्यापक शिक्षा संस्थाओं के प्राचार्यों की प्रबन्धन शैली वरीयताओं के मापक का विकास	डॉ. मुरलीधर मिश्रा रंजना शर्मा	15
4	लिंग के संदर्भ में केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि	डॉ. महेश कुमार गंगल ज्योति गुप्ता	21
5	शिक्षा का अधिकार इतिहास के आईने में	खीमाराम कॉक	29
6	सामाजिक विज्ञान के अध्यापकों की प्रशिक्षण सम्बन्धी आवश्यकताएँ :शिक्षण उद्देश्यों और इसके विविध उपभागों के सदर्भ में	डॉ.मितेष जुनेजा डॉ.स्मिता पंचौली	36
7	माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों के समस्या समाधान एवं सृजनात्मकता का तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. प्रियंका श्रीमाली डॉ. राजेन्द्र श्रीमाली	46
8	अध्यापक शिक्षा और नैतिक विकास	डॉ दिवाकर मिश्र	50
9	माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों एंव विशेष विद्यालयों में अध्ययनरत विशिष्ट बालकों की बुद्धि लब्धि का तुलनात्मक अध्ययन	डॉ सरला वर्मा	55
10	INNOVATIVE METHOD OF TEACHING-RECIPROCAL TEACHING	Mr. Vivek Pahadiya	59
11	Inculcatic of Value Education for Teachers d Students: A Need of the Hour	Dr. Bhabagrahi Pradhan Dr. Giriraj Bhojak	62
12	निजी विद्या के छात्रों एवं छात्राओं के अभिभा की अपेक्षाएँ	डॉ. बी. एल. श्रीमाली	72
13	अंकीय कक्षा तकनीक के घटक एवं गिता	डॉ सरोज गर्ग श्रीमती रीतिका गहलोत	80

Inculcation of Value Education for Teachers and Students: A Need of the Hour

* Dr. Bhabagrahi Pradhan
** Dr. Giriraj Bhojak

प्रस्तुत आलेख में लेखक द्वय शिक्षक एवं छात्रों में मूल्य शिक्षा संवर्द्धन को समय की मांग बता रहे हैं। इस शोध में शोधार्थियों ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला के 20 छात्रों एवं 20 शिक्षकों पर किये गए अध्ययन से यह निष्कर्ष निकाला कि शिक्षिकाएं सामाजिक, धार्मिक एवं सामाजिक मूल्यों के प्रति शिक्षकों की तुलना में अधिक जागरुक हैं। छात्रों का झुकाव प्रजातांत्रिक एवं सामाजिक मूल्यों के प्रति है एवं छात्राएं आध्यात्मिक मूल्यों के पक्ष में हैं यद्यपि मूल्यों के आधार पर शिक्षक एवं छात्रों मे कोई सार्थक अन्तर नहीं है। इस अध्ययन हेतु यादृच्छिक प्रतिचयन विधि के माध्यम से न्यादर्श का चयन किया गया। सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए मध्यमान , मानक विचलन एवं 'टी' टेस्ट को अपनाया गया।

1. Introduction

Value can't be learnt but it should be caught.

Education for values under pins the understanding that values are to be inculcated in both teacher and students not just for their own interest but also for the common good reflecting the balance between individual's interest . The aim of holistic or harmonious development of teachers and students can be located in education for values. India is a multi-lingual, multi-religious, multi-cultural county of the world. In this county basically Himachal Pradesh is located in the Northern Part of it. In Himachal Pradesh basically in Shimla in their College and University stages the concept of values among students and teachers gradually decline now a day. The present project work has done which is encompassing the area of H.P. University campus Shimla. This work gives the justification for analytical study of values and its application in College and university environment among teachers and students.

The Education Commission (1964-66) professed, "the destiny of India is how being shaped in her classrooms". National curriculum frame work NCFTE, 2009 elaborates the context, concerns and vision under scoring that teacher relationship and development in both sector. It is the prime motto of this project work to inculcate value education & its survey among teachers and students of H.P. University campus of Shimla in inclusion point of view. In this context teacher is known as a reflective Practioner & facilitator for learning and imparting value and ethics among the mind of child. Value education strategies, with in classroom and in

* Assistant Professor, Department of Education, Jain VishvaBharatiInstitute,Ladnun(Raj.)
** Assistant Professor, Department of Education, Jain VishvaBharatiInstitute,Ladnun(Raj.)